राष्ट्रीय हिंदी, साप्ताहिक खबरें

जनती की समस्या, हर पल टाइम्स की खबर

HAR PAL TIMES

हर पल टाइम्स

कार्यकारी संपादक : जमील जी. खान

RNI NO. MAHHIN/2011/24374

▸ वर्ष : १० ▸ अंक: २२ ▸ मुंबई, शुक्रवार, २९ जनवरी से ०४ फरवरी २०२१ ▸ पृष्ठ: ४ ▸ मुल्य : २/- रु.

मुंबई, दिल्ली, राजस्थान, मध्यप्रदेश, कर्नाटका, आंध्रप्रदेश, गुजरात, झारखंड, चेन्नई, कलकत्ता जानेवाला अखबार, (०७४९८५३५२८६ आपकी समस्या के लिए इस नंबर पर संपर्क करे)

कहा जा रहा था भारत में आएगी कोरोना की सुनामी, हमने 150 देशों को भेजीं दवाइयां और अब टीके : पीएम मोदी

नई दिल्ली, विश्व आर्थिक सम्मेलन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोरोना महामारी में भारत सबसे ज्यादा जानें बचाईं। उन्होंने कहा कि भारत ने दुनियाभर में दवाइयां भेजीं। उन्होंने भारत में तेजी से हो रहे आर्थिक सुधारों पर भी अपनी बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि भारत ने कोरोना के खिलाफ लड़ाई को जन आंदोलन में बदल दिया। उन्होंने कहा कि भारत में कोरोना से ठीक होने वाले मरीजों की संख्या सबसे ज्यादा है। भारत आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की ओर बढ़ रहा है। भारत की सफलता पूरे विश्व की सफलता में बदलेगी। भारत आत्मविश्वास और नई ऊर्जा से भरा हुआ है। पीएम ने कहा, दुनिया के कई देशों को लग रहा था कि भारत कोविड-19 से सबसे ज्यादा प्रभावित होगा और कोरोना संक्रमण की सुनामी का सामना करेगा। कुछ लोग कह रहे थे कि संक्रमण के 70-80 करोड़ मामले आएंगे, 20 लाख से ज्यादा मौतें होंगी, लेकिन भारत ने निराश नहीं किया और इससे काफी बेहतर रहा। पीएम ने कहा कि कोविड केंद्रित स्वास्थ्य ढांचे को विकसित करने, मानव संसाधन को प्रशिक्षित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। जांच और निगरानी के लिए टेक्नॉलजी का का पूरा इस्तेमाल हुआ। डिजिटल तरीके से आयोजित दावोस शिखर सम्मेलन में पीएम ने कहा, हमने कोरोना वायरस के खिलाफ मुकाबले को लोगों की मुहिम में बदल दिया। जान बचाने के मामले में भारत सबसे अधिक कामयाब रहा। पीएम ने कोरोना टीकाकरण को लेकर कहा, भारत ने दुनिया का सबसे बड़ा कोविड-19 टीकाकरण अभियान शुरू किया है। महज 12 दिनों में हमने 23 लाख से ज्यादा स्वास्थ्यकर्मियों का टीकाकरण किया है। पीएम ने कहा कि भारत वैश्विक जिम्मेदारी भी सुनिश्चित कर रहा है। (शेष पेज 2 पर)

यह साइड चुनने का वक्त : राहुल

किसानों को तोड़ने की चाहत रखने वाले देशद्रोही : प्रियंका गांधी

नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस पर ट्रैक्टर रैली में हिंसा के बाद किसान संगठनों पर आंदोलन खत्म करने का चौतरफा दबाव बढ़ गया है। कुछ संगठनों ने आंदोलन खत्म करने का ऐलान भी कर दिया है तो गाजीपुर और सिंघु बॉर्डर पर जिस तरह सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई जा रही है, उससे संकेत माना जा रहा है कि सरकार आंदोलन को जारी नहीं रहने देना चाहती। इस बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने किसानों के समर्थन किया है। राहुल गांधी ने गुरुवार शाम ट्विटर पर कहा, यह साइड चुनने का साइड चुनने का समय है। मेरा फैसला साफ है। मैं लोकतंत्र के साथ हूं, (शेष पेज 2 पर)

शिवाजी नगर में पानी की समस्या खत्म नहीं हुई

हर पल टाइम्स, शिवाजी नगर इलाके में प्लाट नंबर २५ में जो नई लाइन लगाकर नए नल लगाए गए थे उस में आज तक पानी नहीं आ रहा है, इसकी शिकायत एम वार्ड में कही बार की गई और प्लाट नंबर २५ में जो नल घर घर में लगाये थे वह पुरी लाइन खराब है और पानी नहीं आ रहा है और बिल भेजे जा रहे है जब के शिकायत करने जाते है तो कर्मचारी कहते हैं कि बिल भरने की जरुरत नहीं है आपको अब प्लॉट नंबर २५ में रहने वालों का कहना है कि जो पैसे हमने नल लगाने के लिए दिए थे वह वापस कर दे और नल की लाइन उखाड़ ले एम वार्ड की कृपा होंगी।

यह कहानि नहीं हकिकत है

Har pal tv news. cmw.cin.chief news Editor.Jameel g khan.Mumbai India.

१) आज के हालात पर क्या पीएम मोदी ३ कानून को हटाएंगे और कीसानों की समस्या खत्म होंगी?
२) जनता का कहना है यह कानून संसद में जाएगा और इस पर बहस चलती रहेंगी।
३) २६ जनवरी को बॉर्डर पर किसानों का मामला रोकने के लिए जो हुआ और बडी बडी खिले रास्ते पर गाढ दी गई और तार भी लगाए गए और सक्त इतंजाम कर दीए गए क्या हिंदुस्तान की बॉर्डर पर भी इसी तरह के नहीं होंगे, किसानों का कहना है कि हमको दुश्मनों से भी ज्यादा पीएम मोदी देख रहे हैं।
४) किसानों के आंदोलन में २०० से ज्यादा मौते किसानों की हो गई इसका जिम्मेदार कौन।
५) इस आंदोलन से पुरे देश में हलचल मचि हैं यह आंदोलन देश को कहां ले जाएगा?
६) हर पल टाइम्स और हर पर टिवी न्यूज की पुरी टीम चाहती है कि किसानों की समस्या दूर हो और इन्साफ मिले।

शिवाजी नगर पोलिस स्टेशन में कुछ पुलिस कर्मचारियों के लापरवाहीयों से इस इलाके में गुंडागर्दी बडती जा रही है

हर पल टाइम्स, (क्राइम रिपार्टर), शिवाजी नगर में कही महिनों से इस इलाके में जुर्म बढ़ रहा है, यहा की जनता का कहना है कि हम पर कोई भी गुंडागर्दी करता है तो हम पुलिस स्टेशन में शिकायत करते है मगर ऑफिसर शिकायत दर्ज करते है पर कार्यवाई नहीं होती । और हम परेशान हो जाते है और सिनियर इन्स्पेक्टर या बडे कर्मचारिसे मिलना चाहते है तो मना किया जाता है और हमारी कोई सुनवाई नहीं होती। एक मामला इस इलाके से पत्रकार का सामने आया गोवंडी हायवे पर इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप की लाइन पर पिछे से आकर दो व्यक्तियों ने स्कुटर गिरा दिया और पीछे से पट्टे से मारा इसकी शिकायत शिवाजी नगर पोलिस स्टेशन में तारिख १२/१२/२०२० को वक्त ६.२० शाम को कि गई और पेट्रोल पंप के सीसी टीवी का भी टाइम दिया गया २ बजकर १० मिनट से लेकर २ बजकर ४० मिनट तक दोपहर का था और कर्मचारिको मारने वालें दोनों का मोटर सायकल का नंबर भी दिया गया पत्रकार को काफी मार लगी और मोटर सायकल का भी भारी नुकसान कर दिया गया। साथ ही साथ उन्होंने आगे भी मारने की धमकी दी। हम मुंबई कमिश्नर से दरखास्त करते है कि इस पर कारवाई की जाए।

लाल किले से प्राचीन वस्तुएं गायब, झांकियां क्षतिग्रस्त मिलीं : केन्द्रीय मंत्री

नई दिल्ली, केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री प्रह्लाद पटेल ने गुरुवार को कहा कि लाल किले से कुछ प्राचीन वस्तुएं गायब हैं और गणतंत्र दिवस पर दिखाई गईं झांकियां क्षतिग्रस्त मिली हैं। गौरतलब है कि (शेष पेज 2 पर)

सुप्रीम कोर्ट की सरकार को फटकार, भड़काऊ टीवी कार्यक्रमों पर रोक क्यों नहीं लगाते

नई दिल्ली , सुप्रीम कोर्ट ने गुरूवार को केन्द्र सरकार को उन टीवी कार्यक्रमों पर लगाम लगाने के लिए कुछ नहीं करने पर फटकार लगाई जिनके असर भड़काने वाले होते हैं और कहा कि ऐसी खबरों पर नियंत्रण उसी प्रकार से जरूरी हैं जैसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिये ऐहतियाती उपाए। कोर्ट ने गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर पेरड के हिंसक होने के बाद दिल्ली के कुछ इलाकों में इंटरनेट सेवा को बंद किए जाने का जिक्र किया और निष्पक्ष और सत्यपरक रिपोर्टिंग की जरूरत पर जोर दिया और कहा कि समस्या तब आती है जब इसका इस्तेमाल दूसरों के खिलाफ किया जाता है। प्रधान न्यायाधीश एस ए बोबडे की अगुवाई वाली पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश हुए सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता से कहा, तथ्य यह है कि कुछ ऐसे कार्यक्रम हैं (शेष पेज 2 पर)

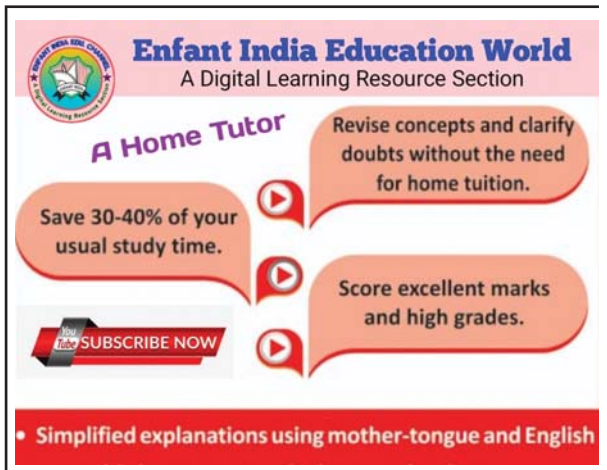

संपादकीय

पड़ोसी की मंशा

विदेश मंत्री एस जयशंकर का चीन संबंधी ताजा बयान न सिर्फ उल्लेखनीय, बल्कि गंभीरता से विचारणीय भी है। चीनी अध्ययन पर केंद्रित एक ऑनलाइन सम्मेलन में भाग लेते हुए भारतीय विदेश मंत्री ने एक तरह से अपनी पीड़ा का ही इजहार किया कि चीन ने लद्दाख सीमा पर जो किया और अब वह जिस तरह से सीमा पर सैनिकों का जमावड़ा कर रहा है, उससे उसकी मंशा साफ नहीं लगती। वाकई चीन की आक्रामकता की साफ वजह पता न होने से भारतीय पक्ष की उलझन का ऊंचा स्तर बना हुआ है। चीन ने कभी भी साफगोई का परिचय नहीं दिया है। वह चीजों को उलझाए रखने में ही अपना हित देख रहा है। ऐसे में, भारतीय राजनय के सामने बड़ी चुनौती है। एस जयशंकर ने फिर एक बार साफ किया है कि एकतरफा ढंग से लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल को बदलने की कोई भी चीनी कोशिश स्वीकार्य नहीं होगी। हम नहीं चाहते कि चीन सीमा पर वास्तविक नियंत्रण में किसी भी प्रकार का बदलाव करे, लेकिन चीन न केवल आगे बढ़कर दावे करता है, बल्कि अपने दावे को पूरा करने की दिशा में काम भी कर रहा है।

कूटनीतिक रूप से यह बोलना सही नहीं है, लेकिन यह बात एक आम भारतीय को भी समझ में आने लगी है कि चीन सच नहीं बोल रहा। चीन के सरकारी अखबार भड़काने के लिए जो कुछ छापते हैं, उससे भी चीन सरकार की मंशा सामने आ जाती है। चीन की साजिश है कि वह गलती करे, लेकिन उसका अपराध दर्ज न हो। क्या ऐसा हो सकता है? क्या चीन दुनिया के तमाम देशों को भोला समझ रहा है? अभी तो दुनिया को चीन से कोरोना का हिसाब भी लेना है। ऐसे नाजुक समय में भी चीन के इरादे समझ से परे हैं। भारत के विरोध में पाकिस्तान को आगे रखते हुए उसकी अंतरराष्ट्रीय साजिशों से दुनिया वाकिफ है, इसके बावजूद वह खुद को भारत का जिम्मेदार पड़ोसी कैसे मान सकता है? भारतीय विदेश मंत्री का इशारा बिल्कुल सही है कि भारत-चीन संबंध आज चौराहे पर हैं, जो होगा, उसका पूरी दुनिया पर गहरा असर होगा। पूर्वी लद्दाख में चीनी कार्रवाई ने सीमा पर न सिर्फ सैनिकों के स्तर को कम रखने संबंधी प्रतिबद्धताओं की अवहेलना की है, बल्कि शांति भंग करने की इच्छा भी दर्शाई है। विदेश मंत्री चाहते हैं कि एलएसी के प्रबंधन पर पहले से ही किए गए समझौतों की पूरी तरह से पालना हो। लेकिन क्या चीन ऐसा करेगा? अब वक्त आ गया है, जब भारत को चीन की मंशा को चरम पर जाकर महसूस करना होगा। चीन अधिकतम क्या कर सकता है, इसका अनुमान लगाना और उसके अनुरूप तैयारी करना समय की मांग है। किसी भोलेपन में रहना ठीक नहीं। जो देश भारत में आतंकवाद का परोक्ष समर्थन करता हो; भारत के खिलाफ जंग लड़ रहे आतंकियों को बचाने में अपनी अंतरराष्ट्रीय ताकत झोंक देता हो, उसके प्रति हमें अपनी नीतियों को साफ रखना होगा। परंपरागत भारतीय उदारता इस मोर्चे पर काम नहीं आएगी। हमें अपनी ओर से किसी भी आक्रामकता का प्रदर्शन नहीं करना है, लेकिन किसी आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देने की पूरी तैयारी रखनी है। बेशक, वास्तविक नियंत्रण रेखा के प्रबंधन, आपसी सम्मान और उभरती शक्तियों के रूप में एक-दूसरे की आकांक्षाओं को पहचानने की कोशिश जारी रहनी चाहिए। पर जरूरी है कि मिलकर रहने के प्रति हमारी संवेदनशीलता एकतरफा न रहे।

गणतंत्र दिवस पर हुई हिंसा की साजिश और आपराधिक मंसूबों की जांच करेगी दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल

नई दिल्ली।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल 26 जनवरी को किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान हुई हिंसा की साजिश और आपराधिक मंसूबों की जांच करेगी। अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस ने दावा किया कि किसान नेताओं के साथ बनी सहमति को दरकिनार करने की पूर्व नियोजित तथा सोची-समझी योजना थी ताकि गणतंत्र दिवस पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सरकार को शर्मिंदा कराया जा सके। पुलिस ने एक बयान में कहा कि स्पेशल सेल 26 जनवरी को हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की साजिश और आपराधिक मंसूबों की जांच कर रही है।

बयान में कहा गया है कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि सुरक्षा बलों से हिंसक झड़प करने, ऐतिहासिक धरोहर की पवित्रता को तार-तार करने और गणतंत्र दिवस के मौके पर सरकार को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदा कराने के लिए दिल्ली पुलिस तथा किसान संगठनों के बीच बनी सहमति को पूर्व नियोजित तथा सोची-समझी साजिश के तहत दरकिनार किया गया। पुलिस ने कहा कि आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं और गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम के प्रावधानों तथा भारतीय दंड संहिता की राजद्रोह से संबंधित धाराओं के तहत जांच की जा रही है। बयान के अनुसार कि भारत तथा देश से बाहर स्थित लोगों और संगठनों की भूमिका तथा गतिविधियों की जांच की जा रही है। जांच प्रगति पर है और विस्तृत जानकारी साझा की जाती रहेगी।

केन्द्र के तीन कृषि कानूनों को निरस्त करने की मांग को लेकर किसान यूनियनों की ट्रैक्टर रैली के दौरान प्रदर्शनकारी किसानों की पुलिस के साथ झड़प हो गई थी। प्रदर्शनकारी ट्रैक्टर लेकर लाल किले पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने लाल किले की गुंबद और प्राचीर के ध्वज स्तंभ पर धार्मिक झंडा लगा दिया था।

मीरा रोड जूलरी लूटकांड मामले में 30 लाख का सोना बरामद

मीरा रोड,

मुंबई से सटे मीरा रोड इलाके में 7 जनवरी 2021 को दिन दहाड़े एस कुमार गोल्ड एंड डायमंड्स ज्वेलरी शॉप को चोरों ने अपना निशाना बनाया गया था। फिल्मी अंदाज में रिवाल्वर की नोक पर 30 लाख की जूलरी को लुटेरे लूट ले गए थे। इस मामले में पुलिस ने 3 आरोपियों को लखनऊ से गिरफ्तार किया है। जबकि दो आरोपी अभी भी फरार बताए जा रहे हैं। मीरा भायंदर के पुलिस कमिश्नर सदानंद दाते द्वारा गठित की गई विशेष टीम ने इन लुटेरों को गिरफ्तार किया है। जानकारी के मुताबिक महाराष्ट्र पुलिस ने यह गिरफ्तारी लखनऊ एसटीएफ की मदद से की है। इस बाबत लखनऊ पुलिस आज प्रेस कॉन्फ्रेंस भी करने वाली है। आपको बता दें कि लूट की यह वारदात दोपहर दो बजे से ढाई बजे के बीच पांच लुटेरों द्वारा अंजाम दी गयी थी। पूरी प्लानिंग के साथ आये लुटेरों में से तीन लोगों ने पहले ग्राहक बनकर पूरी दुकान के स्टाफ की रेकी की। सिक्योरिटी गार्ड के पास हथियार है या नहीं यह चेक किया। उसके बाद सब लूटेरे ग्राहक बनकर अलग-अलग टेबल पर बैठ गए। प्लानिंग के अनुसार सभी ने स्टाफ को अपनी बातों में फंसा लिया।लूट की यह पूरी वारदात दुकान के सीसीटीवी में कैद हो गयी थी। तस्वीरों में साफ दिख रहा था की पीली शर्ट और काली जैकेट पहने हुए एक लूटेरे ने अपनी जैकेट की जेब से रिवॉल्वर निकाल कर स्टाफ को धमकाना शुरू किया।

जबकि बाकी लूटेरे एक के बाद एक उठे और सिक्योरिटी गार्ड को दुकान के अंदर खींच लिया। उसके बाद सभी कर्मचारियों को एक कोने में खड़ा करवाकर दुकान की जूलरी लूट ली। सीसीटीवी को देखने पर यह पता चलता है कि महज 20 मिनट में यह लूट की पूरी वारदात अंजाम दी गयी है। लुटेरों ने दुकान की पूरी जूलरी को एक बैग में भरा और फिर बाहर निकल गए। दुकान के बाहर पहले से ही दो लोग बाइक पर भागने के लिए तैयार थे। बैग वाले लूटेरे को एक मोटरसाइकिल वाला लेकर निकल जाता है जबकि दूसरे लूटेरे की मोटरसाइकिल स्टार्ट ही नहीं हो पाती है। थोड़ी देर कोशिश करने के बाद लुटेरा मोटरसाइकिल वहीं छोड़कर भाग जाता है। इस मोटरसाइकिल पर बैठा जैकेट वाला लुटेरा भी पैदल चलकर निकल जाता है। इस पूरी घटना में हैरानी की बात यह है कि दुकान के 3 कर्मचारी तब तक भागकर बाहर आ चुके थे। लेकिन किसी ने भी पैदल भाग रहे इन लूटेरों को पकडने की कोशिश नहीं की। मीरारोड की भीड़भाड़ वाली जगह पर 20 मिनट तक आज लूट की वारदात चलती रही लेकिन किसी को इसकी भनक तक नहीं लगी। पकड़े गए आरोपियों के पास से पुलिस ने दो रिवाल्वर भी बरामद की है पकड़े गए आरोपी जौनपुर, वाराणसी और गाजीपुर के हैं।

बाकी पेज १ का

कहा जा रहा था भारत में आएगी

हमने 150 से ज्यादा देशों को जरूरी दवाइयां भेजी है, हम दूसरे देशों को भी कोविड-19 के टीके भेज रहे हैं। भारत में निर्मित दो टीके दुनिया के सामने है और भारत की ओर से कई और टीके उपलब्ध कराए जाएंगे। पीएम ने देश में आर्थिक सुधारों का ब्योरा देते हुए कहा, मैं कारोबार जगत को यह आश्वस्त करना चाहता हूं कि आर्थिक मोर्चे पर भी तेजी से स्थिति बदलेगी।

यह साइड चुनने का वक्त : राहुल...

मैं किसानों और उनके शांतिपूर्ण आंदोलन के साथ हूं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया कि किसानों को धमकाया जा रहा है और जो लोग अन्नदाताओं को तोड़ना चाहते हैं वे देशद्रोही हैं। उन्होंने ट्वीट किया, कल आधी रात में लाठी से किसान आंदोलन को खत्म करने की कोशिश की गई। आज गाजीपुर, सिंघू बॉर्डर पर किसानों को धमकाया जा रहा है। यह लोकतंत्र के हर नियम के विपरीत है। कांग्रेस की उत्तर प्रदेश प्रभारी ने कहा, कांग्रेस किसानों के साथ इस संघर्ष में खड़ी रहेगी। किसान देश का हित हैं। जो उन्हें तोड़ना चाहते हैं- वे देशद्रोही हैं। उन्होंने यह भी कहा, हिंसक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाए लेकिन जो किसान शांति से महीनो से संघर्ष कर रहे हैं, उनके साथ देश की जनता की पूरी शक्ति खड़ी है।

सुप्रीम कोर्ट की सरकार को फटकार

जिनके प्रभाव भड़काने वाले हैं और आप सरकार होने के नाते इस पर कुछ नहीं कर रहे हैं। पीठ में न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना और न्यायमूर्ति वी रामसुब्रमण्यम भी शामिल हैं। पीठ ने यह बात उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान कही जिनमें पिछले वर्ष कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के दौरान तबलीगी जमात के कार्यक्रम पर मीडिया रिपोर्टिंग का मुद्दा उठाया गया था। पीठ ने कहा, ऐसे कार्यक्रम हैं जो भड़काने वाले होते हैं या एक समुदाय को प्रभावित करते हैं। लेकिन एक सरकार के नाते, आप कुछ नहीं करते। न्यायमूर्ति बोबड़े ने कहा, कल आपने किसानों के दिल्ली यात्रा पर आने के कारण इंटरनेट और मोबाइल सेवा बंद कर दी। मैं गैर विवादास्पद शब्दावली का इस्तेमाल कर रहा हूं। आपने मोबाइल इंटरनेट बंद कर दिया। ये ऐसी समस्याएं हैं जो कहीं भी पैदा हो सकती हैं। मुझे नहीं पता कि कल टेलीविजन में क्या हुआ।

लाल किले से प्राचीन वस्तुएं गायब,

दो दिन पहले गणतंत्र दिवस पर किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान किसानों का एक समूह लालकिले में दाखिल हो गया था। पटेल ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह के बाद सभी झांकियों को लाल किले के परिसर में रखा जाता है। सात से 15 दिन तक लोग इन्हें देखने के लिये आते हैं। जब मैं वहां पहुंचा तो मैंने देखा कि वे क्षतिग्रस्त हैं। इनमें संस्कृति मंत्रालय की झांकी और राम मंदिर की झांकी शामिल है। वास्तव में सभी झांकियां क्षतिग्रस्त थीं। उन्होंने कहा कि हिंसा में हुए वित्तीय नुकसान का आकलन किया जा रहा है लेकिन वह बहुमूल्य प्राचीन वस्तुओं को खोने के लेकर चिंतित हैं। मंत्री ने कहा कि प्राचीन वस्तुएं बहुमूल्य हैं। हम वित्तीय नुकसान का आकलन तो कर सकते हैं लेकिन प्राचीन वस्तुओं को खोने से हुए नुकसान का अंदाजा कैसे लगाया जाए? यह बड़ा नुकसान है। इससे पहले, पटेल ने इस मामले में जांच का आदेश देते हुए ह्यएएसआई से रिपोर्ट मांगी थी।

60 हजार में बच्चा, डेढ़ लाख में बच्ची... मुंबई में गिरोह ऐसे लगाता था बच्चों की मंडी

मुंबई,

महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में क्राइम ब्रांच ने नवजात शिशुओं को बेचने वाले एक गिरोह का पदार्फाश किया है। क्राइम ब्रांच ने 6 महिलाओं सहित 8 लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरोह 60000 रुपये में नवजात बच्ची और 1.50 लाख में लड़के को बेचता था।

प्रारंभिक जांच में पता चला है कि 6 महीने में 4 बच्चों को बेचा गया है। लेकिन पुलिस को संदेह है कि बेचे गए बच्चों की संख्या अधिक हो सकती है। क्राइम ब्रांच शाखा एक ने शनिवार को आरती हीरामणि सिंह, रुक्सर शेख, रुपाली वर्मा, निशा अ-हर, गीताजंलि गायकवाड़ और संजय पदम को गिरफ्तार किया है।

जब्त फोन में बच्चों की फोटो मिली

आरती पैथालॉजी लैब टेक्नीशियन है और गिरोह का संचालन करती थी। गिर-फ्तार आरोपियों के खिलाफ आईपीसी और जुवेनाइल जस्टिस ऐक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने 8 मोबाइल फोन को जब्त कर लिया है। इन फोनों में बच्चों की फोटो और व्हाट्सएप चैट मिले है। जिससे कितने बच्चे बेचे गए हैं, इसका पता चल सकेगा।

हाल ही में मिली थी सूचना

पुलिस एसआई योगेश चव्हाण और क्राइम ब्रांच शाखा एक की मनीषा पवार को गिरोह की महिला के बारे में सूचना मिली। सूचना में पता चला कि एक महि-ला बच्चों को बेचने में लिप्त है और बांद्रा ईस्ट में रहती है। सूचना की जब जांच की गई तो पता चला कि रुक्सर शेख नाम की महिला है और उसने हाल ही में एक बच्ची को बेचा है।

रुक्सर शेख से पूछताछ की गई तो एक अन्य महिला के बारे में पता चला। रुक्सर शेख ने बताया कि शाहजहां जोगिलकर ने रुपाली वर्मा के जरिए अपने बच्चे को पुणे स्थित एक परिवार को बेचा था। यह शा-हजहां का दूसरा बच्चा है, जोकि वर्मा के जरिए बेचा गया था।

अपना जुर्म स्वीकार कर लिया

14 जनवरी को पुलिस टीम ने रुक्सर, शाहजहां और रुपाली को हिरासत में लिया। पूछताछ में इन्होंने ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया। रुक्सर शेख ने पुलिस को बताया कि 2019 में उसने अपनी बच्ची को 60000 और 1.50 लाख में बेटे को रुपाली के जरिए बेचा था।

शाहजहां ने बताया कि 2019 उसने अपने बेटे को 60000 रुपये में धारावी स्थित एक परिवार को बेचा था। रुपाली ने खुलासा किया कि हीना खान और निशा अहिर सब एजेंट के रूप में काम करती थी।

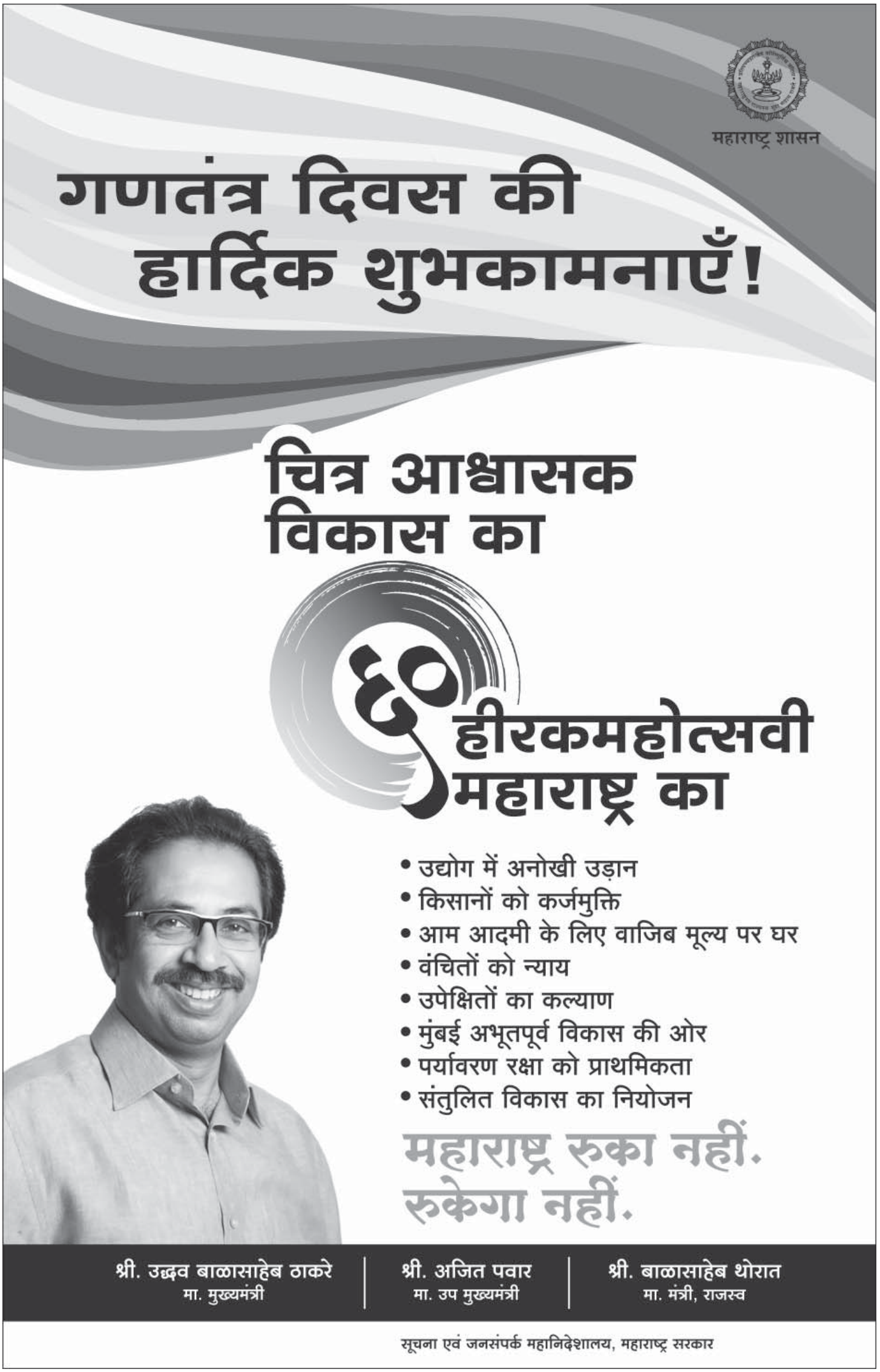

गाजीपुर बॉर्डर से किसानों को हटाने की तैयारी, गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाएं सील

नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा किसानों का धरना समाप्त कराने की घोषणा के बाद गाजीपुर बॉर्डर पर जारी अफरा-तफरी के बीच गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाओं को सील कर दिया गया है। नोएडा पुलिस ने एनएच-24 से जुड़ी सीमाओं पर भारी संख्या में पुलिस को तैनात कर दिया है ताकि प्रदर्शनकारी किसान गाजीपुर बॉर्डर से नोएडा में प्रवेश न कर सकें। यूपी सरकार ने गाजीपुर बॉर्डर से किसानों को जल्द से जल्द हटाने के आदेश जारी किए हैं। आदेश जारी होने के बाद गाजियाबाद पुलिस सहित भारी संख्या में अर्धसैनिक बलों को गाजीपुर बॉर्डर पर तैनात कर दिया गया है। यहां पर सुरक्षा बलों ने बॉर्डर को दोनों तरफ से बंद कर दिया है। नोएडा पुलिस को आशंका है कि किसान गाजीपुर बॉर्डर से नोएडा में प्रवेश कर सकते हैं। इसके तहत गाजियाबाद से जुड़ी नोएडा की सीमाओं को सील कर दिया गया है। सीमाओं पर भारी संख्या में पुलिस बल को तैनात किया गया है। पुलिस ने सेक्टर-62 गोल चक्कर, एफएनजी मोड और एनआईबी क्षेत्र में बैरिकेड्स लगा दिए हैं। तीनों जगहों पर थाना प्रभारी सहित पुलिस को तैनात किया गया है। पुलिस को आदेश दिए गए हैं कि किसी भी सूरत में किसानों को नोएडा में प्रवेश न करने दिया जाए। यदि कोई जबरन प्रवेश करने का प्रयास करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। जानकारी के अनुसार, गाजियाबाद जिला प्रशासन ने प्रदर्शनकारी किसानों को गुरुवार आधी रात तक यूपी गेट खाली करने का अल्टीमेटम दिया है, अन्यथा उन्हें वहां से हटा दिया जाएगा। गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में हिंसा को लेकर तीन किसान संगठनों ने तीन केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ अपना आंदोलन वापस ले लिया है। इसके बाद प्रशासन ने यह मौखिक निर्देश दिया है। जिले के एक अधिकारी ने कहा कि गाजियाबाद के जिलाधिकारी अजय शंकर पांडेय ने दिल्ली सीमा पर यूपी गेट पर डेरा डाले प्रदर्शनकारियों से बात की और उन्हें रात तक प्रदर्शनस्थल

खाली करने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर प्रशासन उन्हें हटा देगा।

क्राइम पेट्रोल देखकर बनाई किडनैपिंग की योजना, पुलिस ने दो घंटे में बच्चो को छुड़ाया

मुंबई, मालाड पुलिस ने 10 लाख रुपये की फिरौती मांगने वाले दो अपहरणकताओं के चंगुल से 13 वर्षीय बच्चे को मात्र 2 घंटे में छुड़ा लिया। यह दूसरी बार है, जब मालाड पुलिस ने नाबालिग बच्चे को सकुशल बचाया। इससे पहले नए साल की पूर्व संध्या पर भी 14 वर्षीय बच्चे को छुड़ाया था। पुलिस के अनुसार, रविवार शाम को बच्चा अपने घर के पास स्थित मैदान में खेल रहा था। देर शाम मौका देखकर दो लोग बच्चे के पास गए और उन्होंने खुद को बीएमसी कर्मचारी बताया। उन्होंने बच्चे को मास्क न पहनने पर कार्रवाई करने की धमकी दी। फिर उसे बीएमसी ऑफिस चलने की बात कहते हुए जबरन एक ऑटोरिक्शा में बैठाया और वहां से फरार हो गए। करीब 8 बजे बच्चे के पिता को 10 लाख रुपये की फिरौती देने के लिए कॉल आया। उन्होंने इसकी शिकायत मालाड पुलिस में की। पुलिस ने संदिग्ध नंबर को सर्विलांस पर डाल दिया। इस दौरान अपहरणकर्ता फिरौती की रकम देने के लिए बार-बार कॉल कर रहे थे। पुलिस ने उक्त नंबरों से लोकेशन ट्रेस की और बच्चे के पिता को पैसा ले जाने के लिए कहा। पैसा लेने के लिए जैसे ही एक बदमाश मालाड के मीठ चौकी सर्कल पर आया, पुलिस ने उसे दबोच लिया। उसने अपना नाम दिव्यांशु विश्वकर्मा (35) बताया। दिव्यांशु की निशानदेही पर पुलिस ने बोरीवली से दूसरा आरोपी शेखर विश्वकर्मा (21) को रात दस बजे पकड़ लिया और उसके पास से बच्चे को सकुशल छुड़ा लिया। अपहरणकताओं ने पुलिस को बताया कि उन्होंने क्राइम पेट्रोल देखकर बीएमसीकर्मी बन किडनैपिंग करने की योजना बनाई थी। शेखर कारपेंटर है, जबकि दिव्यांशु पढ़ाई करता है। दोनों मालाड स्थित वलनाई कॉलोनी में रहते हैं। नॉर्थ रीजन के एडिशनल सीपी दिलीप सावंत, डीसीपी विशाल ठाकुर और एसीपी दीपक फंटागरे के नेतृत्व में पुलिस अधिकारी जी. लिगाडे, सुधीर दलवी, दत्तात्रय थोपटे और नागनाथ बनसोडे की टीम ने इस काम को अंजाम दिया।

एमसीडी को दिए नोटिस पर रोक लगाने के आदेश पर हस्तक्षेप करने से हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने एकल न्यायाधीश द्वारा दिए गए उस आदेश पर गुरुवार को हस्तक्षेप करने से मना कर दिया जिसमें दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष की ओर से गठित एक कमेटी द्वारा जारी किए गए एक नोटिस पर रोक लगाई गई थी। उक्त नोटिस के जरिये नगर पालिकाओं से कुछ वित्तीय जानकारी मांगी गई थी। मुख्य न्यायाधीश डी.एन. पटेल और न्यायमूर्ति ज्योति सिंह की बेंच ने कहा कि वह एकल न्यायाधीश द्वारा 23 दिसंबर 2020 को जारी आदेश में हस्तक्षेप नहीं करेंगे क्योंकि वह केवल एक अंतरिम निर्देश है। इसके साथ ही बेंच ने एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ उप सचिव (समिति) की ओर से दायर याचिका को निरस्त कर दिया। बेंच ने कहा कि अंतरिम आदेश नौ फरवरी 2021 तक ही प्रभावी था जो कि एकल न्यायाधीश के सामने अगली सुनवाई की तारीख थी। अदालत ने कहा कि अपील करने वाला उस तारीख पर यहां अपनी दलील दे सकता है। अदालत ने कहा कि एकल न्यायाधीश के सामने अपील में दी गई दलीलें रखी जा सकती हैं जो कानून और मामले के तथ्यों के आधार पर फैसला ले सकता है। दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने नगर पालिका समिति द्वारा चार दिसंबर 2020 को जारी एक नोटिस को चुनौती देने वाली एक याचिका दायर की थी, जिस पर एकल न्यायाधीश ने फैसला सुनाया था।

यौन हमले की व्याख्या त्रुटिपूर्ण : पूर्व मुख्य न्यायाधीश

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय द्वारा बीते एक सप्ताह के दौरान सुनाए गए दो फैसलों को लेकर आक्रोश फैला हुआ है। कानून विशेषज्ञों ने दोनों ही मामलों में ह्यौन हमलाह्न शब्द की न्यायाधीश द्वारा संकीर्ण व्याख्या पर सवाल उठाए हैं। इनमें से 19 जनवरी के एक फैसले पर बुधवार को उच्चतम न्यायालय ने रोक लगा दी थी। उच्च न्यायालय के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने दोनों फैसलों को त्रुटिपूर्ण करार दिया तो वहीं एक और सेवानिवृत न्यायाधीश ने चिंता जताई कि इससे गलत कानूनी मिसाल कायम हो सकती हैं।

बंबई उच्च न्यायालय के पूर्व मुख्य न्यायाधीश प्रदीप नंदराजोग ने इन फैसलों की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि दोनों फैसले गलत और त्रुटिपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अदालतों को खासतौर पर आरोपी की मंशा देखने की जरूरत है। गलत तरीके से छूना या यौन इरादे से कोई हरकत करना पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के तहत आता है। न्यायमूर्ति नंदराजोग ने कहा कि इससे अधिक चिंता की बात यह है कि यह फैसले एक महिला न्यायाधीश ने दिये। हम निचली अदालतों में इस कानून के

तहत ऐसे मामलों की सुनवाई के लिये महिला न्यायाधीशों और कर्मचारियों को नियुक्त करते हैं क्योंकि वे पीड़ित लड़की को समझने और उससे बात करने के लिये बेहतर स्थिति में होते हैं।

हर पल टाईम्स व हरपल टीवी न्यूज

PRESS
HAR-PAL TIMES
THE TIME BEGAINS NOW
Regd. RNI. NO:MAHHIN/2011/24374
GOVT OF INDIA
PAN CARD NO. BRVPK 4141H
CRIME
THE MOST WANTED T.V. NEWS
Jameel G Khan
Chairman & Chief News Editor
+91-7021425442
HAR-PAL T.V. NEWS
Crime Investigation News
Website : www.crimeinvestigationharpaltv.com / Email : harpaltimes.press@gmail.com
Mumbai Office : 2-B, Nityanand Nagar, KC Marg, Opp. Reclamation Bus Depot, Behind ONGC Colony, Next to Lilavati Hospital, Bandra (W), Mumbai - 400 050.
T.V. PRESS

आपकी न्युज इस व्हॉटसअप नंबर पर 7498535286 भेजें
कम से कम फीस में इलेक्ट्रॉनिक एवं प्रिंट मीडिया की ट्रेनिंग दी जा रही है..

मालक, मुद्रक, प्रकाशक वसीम जे. खान ने शिरनाजी प्रिंट, एम.एल. कॅम्प, चेंबूर, मुंबई -४० ००८९ से छपवाकर, प्लॉट नं. २५ डी/ १. शिवाजी नगर, गोवंडी, मुंबई - ४ ० ० ०४३ से प्रकाशित किया। संपादकः वसीम जे. खान. RNI NO:- MAHHIN/2011/24374
Email--harpaltimes.press@gmail.com 074985 35286 (सभी विवाद निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र मुंबई, महाराष्ट्र होगा।)